MAHARAJA SURAJMAL BRIJ UNIVERSITY

BHARATPUR (RAJASTHAN)

SYLLABUS

FOR

THREE/FOUR YEAR UNDERGRADUATE

PROGRAMME IN ARTS

AS PER THE NEP 2020

SEMESTER -Vth

MAJOR DISCIPLINE - SANSKRIT

WITH EFFECTIVE FROM

SESSION 2025-26 & ONWARDS

प्रभारी अकादमिक प्रथम

(Only For Regular Students)
SEMESTER BASED SCHEME OF EXAMINATION
B.A. (SANSKRIT) THEORY PAPER OF SEM. Vth (W.E.F. 2025-2026)

CREDITS	: 06	PERIOD PER WEEK	: 06
EXAM TIME DURATION	: 03 HRS	MAXIMUM MARKS	: 150
Minimum Passing Marks	: 60		

DISTRIBUTION OF MARKS

Continuous Assessment Marks Weightage				External Assessment Marks Weightage	Total
Attendance Marks*	Assignment Marks	Midterm Exam Marks	Total Marks	End of Semester Exam	06 Credit1
7.5	7.5	15	30	120	50
Minimum passing marks (40%)			12	48	60

* - Attendance Marks Range - 86 to 100% = 7.5 Marks, 81 to 85% = 05 Marks, 76 to 80% = 04 Marks & on gaining 75% = 03 Marks.

Paper name & Code of B.A. (Sanskrit) IIIrd Year Semester - Vth

Code & Nomenclature of Paper		Per week Teaching Hrs & Credits		Distribution of Marks		
Paper Code	Nomenclature	Lecture	Credit	Internal Assess.	EoSE Assess.	Total
SAN-10T-501	भारतीय दर्शन एवं व्याकरण	06	06	30	120	150
SAN-10T-502	काव्य, नाट्य एवं व्याकरण					

नोट :– उपर्युक्त प्रश्नपत्रों में से किसी एक का चयन करना है।

प्रभारी अकादमिक प्रथम

(नियमित विद्यार्थियों हेतु सामान्य निर्देश)

- पंचम सेमेस्टर में 150 अंक का एक प्रश्न–पत्र होगा। पाठ्यक्रम/प्रश्नपत्र दो विकल्पों में उपलब्ध होगा जिनमें से विद्यार्थी को परीक्षा हेतु एक प्रश्नपत्र का चयन करना है। पूर्णांक 150 का 80 प्रतिशत अर्थात् 120 अंक का सैद्धान्तिक तथा पूर्णांक का 20 प्रतिशत अर्थात् 30 अंक का मध्यावधि आन्तरिक मूल्यांकन होगा।
- **मध्यावधि आन्तरिक मूल्यांकन** के 30 अंकों में विषय आधारित लिखित (मिड टर्म) परीक्षा 15 अंक, कक्षा में उपस्थिति के 7.5 अंक तथा मौखिक परीक्षा के 7.5 अंक निर्धारित हैं।
- 30 अंक के उक्त मध्यावधि आन्तरिक मूल्यांकन में उत्तीर्ण होने के लिए नियमित विद्यार्थियों को न्यूनतम 12 अंक प्राप्त करने अनिवार्य हैं। इसमें उत्तीर्ण परीक्षार्थी ही मुख्य सैद्धान्तिक परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। आन्तरिक मूल्यांकन में अनुत्तीर्ण परीक्षार्थी को परीक्षा आवेदन पत्र भरने एवं मुख्यपरीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं होगी।
- नियमित विद्यार्थियों की सैद्धान्तिक परीक्षा के प्रश्नपत्र का पूर्णांक 120 होगा जिसमें उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम (40 प्रतिशत) अर्थात् 48 अंक प्राप्त करने अनिवार्य हैं।
- विद्यार्थी को उत्तीर्ण होने के लिए मध्यावधि आन्तरिक मूल्यांकन एवं सत्रान्त परीक्षा दोनों में अलग–अलग न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक अर्जित करने होंगे।
- सैद्धान्तिक परीक्षा हेतु 03 घंटे का समय निर्धारित होगा।
- प्रश्न–पत्र में श्लोक/गद्य/सूत्र संस्कृत भाषा में पूछे जा सकेंगे शेष हिन्दी भाषा में होगा। परीक्षार्थी को यह छूट होगी कि वह हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में उत्तर दे सके। यदि परीक्षक द्वारा किसी प्रश्न–विशेष के लिए भाषा का निर्देश किया गया है तो उस प्रश्न का उत्तर निर्दिष्ट भाषा में ही देना अनिवार्य है।
- संस्कृत को केवल देवनागरी लिपि में ही लिखा जाना अपेक्षित है।
- पूर्ण पाठ्यक्रम से अनुवाद, व्याख्या, लघूत्तरात्मक एवं समालोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
- प्रश्नपत्र में संस्कृत भाषा के माध्यम से उत्तर देने हेतु 10 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं, लेकिन जिस प्रश्नपत्र में संस्कृतानुवाद या संस्कृत भाषा में निबन्ध पूछे गए हैं, वहाँ संस्कृत भाषा में उत्तर देने हेतु 10 प्रतिशत अंक वाली बाध्यता नहीं होगी।
- प्रश्न–पत्र में 'अ' एवं 'ब' 02 भाग होंगे। भाग 'अ' में विद्यमान प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा जिसमें सभी इकाईयों से बिना किसी आन्तरिक विकल्प के 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे जिनमें से प्रथम 05 प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा के माध्यम से देना होगा। लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर हेतु शब्दसीमा अधिकतम 50 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न हेतु 02 अंक निर्धारित हैं। प्रश्नपत्र में यदि संस्कृतानुवाद या संस्कृत भाषा में निबन्ध पूछा गया है तो उक्त 05 प्रश्नों के उत्तर हिन्दी भाषा में भी स्वीकार्य होंगे।
- भाग 'ब' में प्रश्न सं. 02 से अन्तिम प्रश्न तक के प्रश्नों में आन्तरिक विकल्प होंगे।

बी.ए. पंचम सेमेस्टर (संस्कृत) Major Discipline Specific Elective Course	
Course Code	SAN-10T-501
प्रश्नपत्र का नाम	भारतीय दर्शन एवं व्याकरण
क्रेडिट	06
अपेक्षित अध्यापन समय	प्रति सप्ताह 06 घण्टे एवं 90 कार्यदिवस
योग्यता	UG Diploma (परन्तु स्नातक डिप्लोमा 3 वर्ष से पुराना न हो)

पाठ्यक्रम (नियमित विद्यार्थियों हेतु)

इकाई	निर्धारित ग्रन्थ / पाठ्यपुस्तक	अंक
1.	श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)	25
2.	तर्कसंग्रह (श्री अन्नम्भट्ट विरचित)	25
3.	भारतीय दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त – भारतीय दर्शन की विशेषताएँ, भारतीय दर्शनों में प्रमाणविवेचन, सांख्य – त्रिविधदुःख, गुणत्रय, सत्कार्यवाद। वेदान्त – अनुबन्ध चतुष्टय। योग – ईश्वरवाद। न्यायवैशेषिक – मोक्षस्वरूप, परमाणुवाद। जैन – अनेकान्तवाद। बौद्ध – शून्यवाद।)	20
4.	लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण– भ्वादिगण की भू एवं एध् धातु लट् आदि 10 लकार तथा अन्य गणों की प्रथम धातु केवल लट्, लोट्, लृट्, लङ् एवं विधिलिङ् लकारों में)	30
5.	कारक एवं अशुद्धि संशोधन – पठनीय कारकसूत्र– प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा, कर्तुरीप्सिततमं कर्म, अधिशीङ्स्थासां कर्म, अकथितं च, उपान्वध्याङ् वसः, अभितः परितः समयानिकषाहाप्रतियोगेऽपि, अन्तराऽन्तरेण युक्ते, कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे, साधकतमं करणम्, कर्तृकरणयोस्तृतीया, अपवर्गे तृतीया, येनाङ्गविकारः, सहयुक्तेऽप्रधाने, इत्थम्भूतलक्षणे, कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्, रुच्यर्थानां प्रीयमाणः, क्रुधद्रुहेर्ष्याऽसूयार्थानां यं प्रति कोपः, नमः स्वस्ति स्वाहास्वधाऽलंवषट् योगाच्च, ध्रुवमपायेऽपादानम्, भीत्रार्थानां भयहेतुः, जनिकर्तुः प्रकृतिः, भुवः प्रभवः, आधारोऽधिकरणम्, यतश्चनिर्धारणम्, यस्य च भावेन भावलक्षणम्, षष्ठीशेषे, कर्तृकर्मणोः कृतिः। एवं उक्त कारकसूत्रों के आधार पर अशुद्धि–संशोधन।	20

अंक–विभाजन

क्र.सं. / इकाई	पाठ्यपुस्तक	'अ' भाग में लघूत्तरात्मक प्रश्न	अंक	'ब' भाग के प्रश्न सं. एवं प्रश्न प्रकार	अंक	दोनों भागों के अंक
1.	श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)	02	04	2 अ सप्रसंग व्याख्या 2 ब समालोचनात्मक प्रश्न	6+6 9	4+21 =25
2.	तर्कसंग्रह	02	04	3 अ सप्रसंग व्याख्या 3 ब समालोचनात्मक प्रश्न	6+6 9	4+21 =25
3.	भारतीय दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त	01	02	4 अ 02 टिप्पणी 4 ब समालोचनात्मक प्रश्न	5+5 8	2+18 =20
4.	लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण)	03	06	5 अ सोद्धरण सूत्र व्याख्या 5 ब ससूत्र रूपसिद्धि 5 स सोद्धरण सूत्र व्याख्या 5 द ससूत्र रूपसिद्धि	2+2 4+4 2+2 4+4	6+24 =30
5.	कारक एवं अशुद्धि	02	04	6 अ सूत्र व्याख्या (कारक)	2x3	4+16

प्रभारी अकादमिक प्रकोष्ठ

	संशोधन			6 ब अशुद्धिसंशोधन वाक्य	2x5	=20
	कुल योग	10	20	04	100	120

पाठ्यक्रम की विस्तृत योजना एवं प्रश्नपत्रनिर्माता हेतु दिशा–निर्देश

इकाई	भाग/प्रश्नक्रम	पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण	अंक
प्रथम इकाई श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)	अ/1	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2=4
	ब/2	(अ) 04 श्लोक देकर किन्हीं 02 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेंगी।	6+6 =12
		(ब) 02 प्रश्न देकर किसी 01 का उत्तर प्रष्टव्य है।	9
द्वितीय इकाई तर्कसंग्रह	अ/1	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2=4
	ब/3	(अ) 04 गद्यांश देकर किन्हीं 02 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेंगी।	6+6 =12
		(ब) 02 प्रश्न देकर किसी 01 का उत्तर प्रष्टव्य है।	9
तृतीय इकाई भारतीय दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त	अ/1	प्रथम प्रश्न में 01 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछा जाएगा।	2
	ब/4	(अ) 04 दार्शनिक सिद्धान्तों में से किन्हीं 02 पर टिप्पणी–लेखन पूछा जायेगा।	5+5 =10
		(ब) 02 प्रश्न देकर किसी 01 का उत्तर प्रष्टव्य है।	8
चतुर्थ इकाई लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण)	अ/1	प्रथम प्रश्न में 03 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2x3=6
	ब/5	(अ) तिङन्त प्रकरण भ्वादिगण में निर्धारित सूत्रों में से 04 सूत्र देकर 02 की सोद्धरण व्याख्या पूछी जायेंगी।	2+2=4
		(ब) तिङन्तप्रकरण भ्वादिगण की 04 तिङन्त शब्द देकर 02 की सूत्रनिर्देशपूर्वक रूपसिद्धियाँ पूछी जायेंगी।	4+4=8
		(स) तिङन्त के भ्वादिगण के अलावा शेष गणों में से 04 सूत्र देकर 02 की सोद्धरण व्याख्याएं पूछी जायेंगी।	2+2=4
		(द) तिङन्त के भ्वादिगण से शेष गणों में से 04 तिङन्त शब्द देकर 02 की ससूत्र रूपसिद्धियाँ पूछी जायेंगी।	4+4=8
पंचम इकाई कारक एवं अशुद्धि संशोधन	अ/1	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2=4
	ब/6	(अ) पाठ्यक्रम में निर्धारित कारकसूत्रों में से 06 सूत्र देकर 03 की सोद्धरण व्याख्याएं पूछी जायेंगी।	2x3=6
		(ब) संस्कृत के 08 अशुद्ध वाक्य देकर किन्हीं 05 वाक्यों में कारकाधारित अशुद्धि–संशोधन कराया जायेगा।	2x5 =10
कुल अंक			120

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- भगवान् श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को प्रदत्त गीता के उपदेशों के संकलन रूप श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय) का अधिगम कराया जाना।
- विद्यार्थियों में निष्काम कर्म एवं आध्यात्मिक ज्ञान विकसित कराया जाना।
- विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, धैर्य और निर्णय–क्षमता को विकसित किया जाना।
- तर्कसंग्रह के अध्ययन द्वारा विद्यार्थियों का प्रमाण, तर्क, अनुमान एवं विभिन्न दार्शनिक अवधारणाओं से परिचित कराना।

प्रभारी अकादमिक प्रथम

- तर्कसंग्रह के अध्ययन से शास्त्रार्थ, तर्क और अनुमान की विधियों का ज्ञान दिया जाकर ग्रन्थचिंतनक्षमता का विकास करना।
- भारतीयदर्शन के विभिन्न सिद्धान्त एवं उनकी गम्भीरता से परिचित कराना।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण) के अध्ययन से धातुरूपों/तिङन्त शब्दों के निर्माण की प्रक्रिया से परिचित कराना।
- संस्कृतव्याकरण की वैज्ञानिकता से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
- संस्कृत भाषा में वाक्यनिर्माण के मुख्यघटक कारकों का ज्ञान कराया जाना।
- लेखन के विभिन्न क्षेत्रों में होने वाली अशुद्धियों की ओर ध्यान आकर्षित कर विद्यार्थियों के द्वारा सम्भावित अशुद्धियों का निराकरण कराना।

पाठ्यक्रम–अधिगम के परिणाम

- श्रीमद्भगवद्गीता के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी आत्मा की अमरता, परमात्मा की सर्वव्यापकता और जीवन के परम लक्ष्य मोक्ष के विषय में ज्ञान अर्जित कर सकेंगे।
- श्रीकृष्ण द्वारा प्रदत्त उपदेशों के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थियों में भक्ति, ज्ञान और कर्ममार्ग का समन्वय कर साधना का समग्र दृष्टिकोण विकसित हो सकेगा।
- गीता के अधिगम से विद्यार्थियों में लोभ, मोह, क्रोध आदि विकारों पर संयम साधने की क्षमता विकसित हो सकेगी।
- भारतीय दर्शन के विभिन्न सिद्धान्तों को समझ सकेंगे।
- तर्कसंग्रह के अधिगम से विद्यार्थियों की चिन्तनक्षमता विकसित हो सकेगी।
- तर्कसंग्रह के अधिगम से विद्यार्थी संशयात्मक स्थितियों में तर्कपूर्ण निर्णय लेने में सक्षम होंगे।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण) के अधिगम से विद्यार्थी विभिन्न शब्दों में प्रयुक्त धातुओं की पहचान एवं अन्य धातुओं से नये शब्दों का निर्माण करने तथा सम्यक् स्थान पर उनका प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
- कारक एवं अशुद्धि–संशोधन प्रकरण के अधिगम से विद्यार्थी कारकों के उचित प्रयोग में सक्षम होंगे।
- लेखन एवं पठन के दौरान समागत विभिन्न त्रुटियों एवं अशुद्धियों को पहचान कर संस्कृतनिष्ठ एवं कारकाधारित उचित संशोधन करने में सक्षम होंगे।

पाठ्यक्रम के अधिगम हेतु सहायक पुस्तकें

क्र.	पुस्तक	लेखक	प्रकाशन
1.	श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीयाध्याय)	डॉ. विश्वनाथ शर्मा	आदर्श प्रकाशन, जयपुर
2.	श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीयाध्याय)	श्रीकृष्ण ओझा	अभिषेक प्रकाशन, जयपुर
3.	तर्कसंग्रह	डॉ. अर्कनाथ चौधरी	आयुर्वेद संस्कृत हिन्दी पुस्तक भण्डार, जयपुर
4.	तर्कसंग्रह	डॉ. दयानन्द भार्गव	मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
5.	भारतीय दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त	डॉ. निहाल सिंह व श्रीमती डिम्पल जायसवाल	मधुशाला प्रकाशन, भरतपुर
6.	सर्वदर्शनसंग्रह	डॉ. माधव जनार्दन रटाटे	भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
7.	सर्वदर्शनसंग्रह	डॉ. उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'	चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
8.	लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण)	श्री धरानन्द शास्त्री	मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
9.	लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण)	डॉ. भीमसेन शास्त्री	भैमी प्रकाशन, दिल्ली
10.	वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)	श्री धरानन्द धिल्डियाल	मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
11.	सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)	डॉ. अर्कनाथ चौधरी	जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
12.	प्रौढ़ रचनानुवादकौमुदी	डॉ. कपिल देव द्विवेदी	विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

प्रभारी अकादमिक प्रथम

बी.ए. पंचम सेमेस्टर (संस्कृत) Major Discipline Specific Elective Course	
Course Code	SAN-10T-502
प्रश्नपत्र का नाम	काव्य, नाट्य एवं व्याकरण
क्रेडिट	06
अपेक्षित अध्यापन समय	प्रति सप्ताह 06 घण्टे एवं 90 कार्यदिवस
योग्यता	UG Diploma (परन्तु स्नातक डिप्लोमा 3 वर्ष से पुराना न हो)

पाठ्यक्रम (नियमित विद्यार्थियों हेतु)

इकाई	निर्धारित ग्रन्थ / पाठ्यपुस्तक	अंक
1.	कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) महाकवि कालिदास विरचित	25
2.	रत्नावली नाटिका (श्रीहर्षदेव विरचित)	25
3.	लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण– भ्वादिगण की भू एवं एध् धातु लटादि 10 लकार तथा शेष गणों की प्रथम धातु लट्, लोट्, लृट्, लङ् व विधिलिङ् लकार में)	30
4.	कारक एवं अशुद्धि संशोधन – पठनीय कारकसूत्र– प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा, कर्तुरीप्सिततमं कर्म, अधिशीङ्स्थासां कर्म, अकथितं च, उपान्वध्याङ् वसः, अभितः परितः समयानिकषाहाप्रतियोगेऽपि, अन्तराऽन्तरेण युक्ते, कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे, साधकतमं करणम्, कर्तृकरणयोस्तृतीया, अपवर्गे तृतीया, येनाङ्गविकारः, सहयुक्तेऽप्रधाने, इत्थम्भूतलक्षणे, कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्, रुच्यर्थानां प्रीयमाणः, क्रुधद्रुहेर्ष्याऽसूयार्थानां यं प्रति कोपः, नमः स्वस्ति स्वाहास्वधाऽलंवषट् योगाच्च, ध्रुवमपायेऽपादानम्, भीत्रार्थानां भयहेतुः, जनिकर्तुः प्रकृतिः, भुवः प्रभवः, आधारोऽधिकरणम्, यतश्चनिर्धारणम्, यस्य च भावेन भावलक्षणम्, षष्ठीशेषे, कर्तृकर्मणोः कृतिः। एवं उक्त कारकसूत्रों के आधार पर अशुद्धि–संशोधन।	20
5.	वाच्य परिवर्तन एवं अनुवाद	20

अंक–विभाजन

क्र./ इकाई	पाठ्यपुस्तक	भाग 'अ' में लघूत्तरा० प्रश्न	अंक	'ब' भाग के प्रश्न सं. एवं प्रश्न प्रकार	अंक	कुल अंक
1.	कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग)	02	04	2 अ सप्रसंग व्याख्या 2 ब समालोचनात्मक प्रश्न	6+6 9	4+21 =25
2.	रत्नावली (श्रीहर्षदेव विरचित)	02	04	3 अ सप्रसंग व्याख्या 3 ब समालोचनात्मक प्रश्न	6+6 9	4+21 =25
3.	लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण)	03	06	4 अ सोद्धरण सूत्र व्याख्या 4 ब ससूत्र रूपसिद्धि 4 स सोद्धरण सूत्र व्याख्या 4 द ससूत्र रूपसिद्धि	2+2 4+4 2+2 4+4	6+24 =30
4.	कारक एवं अशुद्धि संशोधन	02	04	5 अ सूत्र व्याख्या (कारक) 5 ब अशुद्धिसंशोधन वाक्य	2x3 2X5	4+16 =20
5.	वाच्य परिवर्तन एवं अनुवाद	01	02	6 अ वाच्यपरिवर्तन 5 वाक्य 6 ब संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद हेतु 4 वाक्य	2X5 2X4	2+18 =20
	कुल योग	10	20	04	100	120

प्रभारी अकादमिक प्रभाग

पाठ्यक्रम की विस्तृत योजना एवं प्रश्नपत्रनिर्माता हेतु दिशा–निर्देश

इकाई	भाग/ प्रश्न क्रम	पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण	अंक
प्रथम इकाई कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग)	अ/1	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2=04
	ब 2	(अ) 4 श्लोकों में से किन्हीं 2 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी।	6+6 =12
		(ब) 02 प्रश्न देकर किसी 01 का उत्तर प्रष्टव्य है।	09
द्वितीय इकाई रत्नावली नाटिका	अ/1	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जावेंगे।	2+2=04
	ब 3	(अ) 4 श्लोकों में से किन्हीं 2 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी।	6+6 =12
		(ब) 02 समालोचनात्मक प्रश्नोंसे 01 का उत्तर प्रष्टव्य।	09
तृतीय इकाई लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण)	अ/1	प्रथम प्रश्न में 03 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2X3=06
	ब/4	(अ) तिङन्त प्रकरण भ्वादिगण में निर्धारित सूत्रों में से 04 सूत्र देकर 02 की सोद्धरण व्याख्या पूछी जायेंगी।	2+2=4
		(ब) तिङन्तप्रकरण भ्वादिगण की 04 तिङन्त शब्द देकर 02 की सूत्रनिर्देशपूर्वक रूपसिद्धियाँ पूछी जायेंगी।	4+4=8
		(स) तिङन्त के भ्वादिगण के अलावा शेष गणों में से 04 सूत्र देकर 02 की सोद्धरण व्याख्याएं पूछी जायेंगी।	2+2=4
		(द) तिङन्त के भ्वादिगण से शेष गणों में से 04 तिङन्त शब्द देकर 02 की ससूत्र रूपसिद्धियाँ पूछी जायेंगी।	4+4=8
चतुर्थ इकाई कारक एवं अशुद्धि संशोधन	अ/1	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2=04
	ब 5	(अ) पाठ्यक्रम में निर्धारित कारकसूत्रों में से 06 सूत्र देकर 03 की सोद्धरण व्याख्याएं पूछी जायेंगी।	2x3=6
		(ब) संस्कृत के 08 अशुद्ध वाक्य देकर किन्हीं 05 वाक्यों में कारकाधारित अशुद्धि–संशोधन कराया जायेगा।	2x5 =10
पंचम इकाई वाच्य परिवर्तन एवं अनुवाद	अ/1	प्रथम प्रश्न में 01 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछा जायेगा।	2
	ब 6	(अ) 10 वाक्य देकर 5 का वाच्य परिवर्तन प्रष्टव्य।	2x5=10
		(ब) 8 संस्कृत–सूक्तियाँ/संस्कृतवाक्य देकर 4 सूक्तियों /वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद पूछा जायेगा।	2x4=08
		कुल अंक	**120**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- महाकवि कालिदास के कुमारसम्भवम् महाकाव्य के प्रथमसर्ग का अधिगम कराया जाना।
- साहित्यिक विशेषताओं से परिचय के साथ साहित्यिक रसास्वादन कराया जाना।
- विद्यार्थियों को पौराणिक प्रसंगों से परिचित कराकर उत्तम शिक्षाओं का अधिगम कराना।
- श्रीहर्षदेवविरचित रत्नावली नाटिका के प्रतिपाद्य का अधिगम कराया जाना।
- संस्कृत नाट्य परम्परा के सामान्य परिचय से विद्यार्थियों को परिचित कराया जाना।
- उदयन, यौगन्धरायण, वासवदत्ता आदि पात्रों के उत्तम चरित्र से विद्यार्थियों में चारित्रिक उत्कृष्टता पैदा करना।
- भारतीयदर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों की मूल विशेषता एवं उनकी गम्भीरता से परिचित कराना।
- सिद्धान्तों के माध्यम से भारतीय दर्शनों के मन्तव्य को विद्यार्थियों में सम्प्रेषित किया जाना।

प्रभारी अकादमिक प्रकोष्ठ

- लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण) के अध्ययन से धातुरूपों/तिङन्त शब्दों के निर्माण की प्रक्रिया से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों को संस्कृतव्याकरण की वैज्ञानिकता से परिचित कराना।
- संस्कृतभाषा में वाक्यनिर्माण के मुख्यघटक कारकों का ज्ञान कराया जाना।
- लेखन के विभिन्न क्षेत्रों में होने वाली अशुद्धियों की ओर ध्यान आकर्षित कर विद्यार्थियों के द्वारा सम्भावित अशुद्धि–निराकरण करने की क्षमता विकसित कराया जाना।
- संस्कृत व्याकरण के अन्तर्गत वाच्यों का अधिगम कराया जाना।
- विद्यार्थियों को संस्कृत से हिन्दी भाषा में तथा हिन्दी से संस्कृत भाषा में अनुवाद करने के कौशल को विकसित किया जाना।

पाठ्यक्रमाधिगम के परिणाम

- कुमारसम्भवम् के अधिगम से विद्यार्थी साहित्यिक रस व पौराणिकप्रसंगों को जान सकेंगे।
- रत्नावली नाटिका के अधिगमोपरान्त उदयनादि पात्रों के उत्तम चरित्र से विद्यार्थी अपने आप में चारित्रिक उत्कृष्टता विकसित कर सकेंगे।
- भारतीय दर्शन के विभिन्न सिद्धान्तों को समझ सकेंगे।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण) के अधिगम से विद्यार्थी धातुरूपों में प्रयुक्त धातुओं की पहचान व अन्य धातुओं से नये शब्दनिर्माण करने व उचित प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
- कारक एवं अशुद्धिसंशोधन के अधिगम से विद्यार्थी कारकों के उचित प्रयोग में सक्षम होंगे।
- लेखन एवं पठन के दौरान समागत विभिन्न त्रुटियों एवं अशुद्धियों को पहचान कर संस्कृतनिष्ठ उचित संशोधन करने में सक्षम होंगे।
- वाच्य परिवर्तन एवं अनुवाद कौशल में सिद्धहस्त हो सकेंगे।

पाठ्यक्रम के अधिगम हेतु सहायक पुस्तकें

क्र.	पुस्तक	लेखक	प्रकाशन
1.	कुमारसम्भवम्	डॉ. श्रीकृष्ण ओझा	राजमन्दिर प्रकाशन, जयपुर
2.	कुमारसम्भवम्	डॉ. प्रीतिप्रभा गोयल	हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
3.	रत्नावली नाटिका	पं. श्री रामचन्द्र मिश्र	चौखम्बा संस्कृत सीरीज बनारस
4.	रत्नावली नाटिका	डॉ. शिवराज शास्त्री	साहित्य भण्डार, मेरठ
5.	लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण)	डॉ. भीमसेन शास्त्री	भैमी प्रकाशन, दिल्ली
6.	लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण)	श्री धरानन्द शास्त्री	मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
7.	सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)	डॉ. अर्कनाथ चौधरी	जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
8.	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)	श्री धरानन्द घिल्डियाल	मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
9.	रचनानुवादकौमुदी	डॉ. कपिल देव द्विवेदी	विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

ारी अकादमिक प्रथम

(Applicable for Non-Collegiate students only)

SEMESTER BASED SCHEME OF EXAMINATION

B.A. (SANSKRIT) THEORY PAPER OF SEMESTER - Vth (W.E.F. 2025-2026)

CREDITS	: 06	EXAM TIME DURATION	: 03
HRS.MAXIMUM MARKS	: 150	Minimum Passing Marks	: 60

Paper name & paper code of B.A. (Sanskrit) IIIrd Year Semester – Vth

Code & Nomenclature of Paper		Total Credits & Marks of EoSE Assess.	
Paper Code	Nomenclature	Credit	Marks
SAN-10T-501	भारतीय दर्शन एवं व्याकरण	06	150
SAN-10T-502	काव्य, नाट्य एवं व्याकरण		

(स्वयंपाठी विद्यार्थियों हेतु सामान्य निर्देश)

- पंचम सेमेस्टर की परीक्षा हेतु दो विकल्पों में पाठ्यक्रम/प्रश्नपत्र उपलब्ध होगा जिनमें से विद्यार्थी को एक का चयन करना है। प्रश्न–पत्र 150 अंकों का होगा।
- **स्वयंपाठी विद्यार्थियों का मध्यावधि आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा।**
- स्वयंपाठी विद्यार्थियों की अर्द्धसत्रान्तपरीक्षा के प्रश्नपत्र का पूर्णांक 150 होगा जिसमें उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम (40 प्रतिशत) अर्थात् 60 अंक प्राप्त करने अनिवार्य हैं।
- सैद्धान्तिक परीक्षा हेतु 03 घंटे का समय निर्धारित होगा।
- प्रश्न–पत्र में श्लोक/गद्य/सूत्र संस्कृत भाषा में पूछे जा सकेंगे शेष हिन्दी भाषा में होगा। परीक्षार्थी को यह छूट होगी कि वह हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में उत्तर दे सके। यदि परीक्षक द्वारा किसी प्रश्न–विशेष के लिए भाषा का निर्देश किया गया है तो उस प्रश्न का उत्तर उसी निर्दिष्ट भाषा में ही देना अनिवार्य है।
- संस्कृत को केवल देवनागरी लिपि में ही लिखा जाना अपेक्षित है।
- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से अनुवाद, व्याख्या, लघूत्तरात्मक एवं समालोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
- प्रश्नपत्र में संस्कृत भाषा के माध्यम से उत्तर देने हेतु 10 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं, लेकिन जिस प्रश्नपत्र में संस्कृतानुवाद या संस्कृत भाषा में निबन्ध पूछे गए हैं, वहाँ संस्कृत भाषा में उत्तर देने हेतु 10 प्रतिशत अंक वाली बाध्यता नहीं होगी।
- प्रश्न–पत्र में 'अ' एवं 'ब' 02 भाग होंगे। प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा जिसमें सभी इकाईयों से बिना किसी आन्तरिक विकल्प के 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे जिनमें से प्रथम 05 प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा के माध्यम से देना होगा। लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर हेतु शब्दसीमा अधिकतम 50 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न हेतु 02 अंक निर्धारित हैं। प्रश्नपत्र में यदि संस्कृतानुवाद या संस्कृत भाषा में निबन्ध पूछा गया है तो उक्त 05 प्रश्नों के उत्तर हिन्दी भाषा में भी स्वीकार्य होंगे।
- भाग 'ब' में प्रश्न सं. 02 से अन्तिम प्रश्न तक के प्रश्नों में आन्तरिक विकल्प होंगे।

प्रभारी अकादमिक प्रथम

प्रथम वैकल्पिक पाठ्यक्रम / प्रश्नपत्र

बी.ए. पंचम सेमेस्टर (संस्कृत) Major Discipline Specific Elective Course	
Course Code	SAN-10T-501
प्रश्नपत्र का नाम	भारतीय दर्शन एवं व्याकरण
क्रेडिट	06
अपेक्षित अध्ययनावधि	90 कार्यदिवस
योग्यता	UG Diploma (परन्तु स्नातक डिप्लोमा 3 वर्ष से पुराना न हो)

पाठ्यक्रम (स्वयंपाठी विद्यार्थियों हेतु)

इकाई	निर्धारित ग्रन्थ / पाठ्यपुस्तक	अंक
1.	श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)	40
2.	तर्कसंग्रह (श्री अन्नम्भट्ट विरचित)	40
3.	भारतीय दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त – भारतीय दर्शन की विशेषताएं, भारतीय दर्शनों में प्रमाणविवेचन, सांख्य –त्रिविध दुःख, गुणत्रय, सत्कार्यवाद। वेदान्त – अनुबन्ध चतुष्टय। योग – ईश्वरवाद। न्यायवैशेषिक – मोक्ष का स्वरूप, परमाणुवाद। जैन – अनेकान्तवाद। बौद्ध – शून्यवाद।)	20
4.	लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण– भ्वादिगण की भू एवं एध् धातु लटादि 10 लकार तथा शेष गणों की प्रथम धातु लट्, लोट्, लृट्, लङ् एवं विधिलिङ् लकार में)	30
5.	**कारक एवं अशुद्धि संशोधन** – पठनीय कारकसूत्र – प्रातिपदिकार्थलिङ्ग–परिमाणवचनमात्रे प्रथमा, कर्तुरीप्सिततमं कर्म, अधिशीङ्स्थासां कर्म, अकथितं च, उपान्वध्याङ् वसः, अभितः परितः समयानिकषाहाप्रतियोगेऽपि, अन्तराऽन्तरेण युक्ते, कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे, साधकतमं करणम्, कर्तृकरणयोस्तृतीया, अपवर्गे तृतीया, येनाङ्गविकारः, सहयुक्तेऽप्रधाने, इत्थम्भूतलक्षणे, कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्, रुच्यर्थानां प्रीयमाणः, नमः स्वस्ति स्वाहास्वधाऽलंवषट् योगाच्च, क्रुधद्रुहेर्ष्याऽसूयार्थानां यं प्रति कोपः, ध्रुवमपायेऽपादानम्, भीत्रार्थानां भयहेतुः, जनिकर्तुः प्रकृतिः, भुवः प्रभवः, आधारोऽधिकरणम्, यतश्चनिर्धारणम्, यस्य च भावेन भावलक्षणम्, षष्ठीशेषे, कर्तृकर्मणोः कृतिः। एवं उक्त कारकसूत्रों के आधार पर अशुद्धि–संशोधन।	20

अंक–विभाजन

इकाई	पाठ्यपुस्तक	'अ' भाग में लघूत्तरा० प्रश्न	अंक	'ब' भाग के प्रश्न सं. एवं प्रश्न प्रकार	अंक	कुल अंक
1.	श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)	02	04	2 अ सप्रसंग व्याख्या 2 ब समालोचनात्मक प्रश्न	11+11 14	4+36=40
2.	तर्कसंग्रह	02	04	3 अ सप्रसंग व्याख्या 3 ब समालोचनात्मक प्रश्न	11+11 14	4+36=40
3.	भारतीय दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त	01	02	4 अ 02 टिप्पणी 4 ब समालोचनात्मक प्रश्न	5+5 8	2+18=20
4.	लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण)	03	06	5 अ सोद्धरण सूत्रव्याख्या 5 ब ससूत्र रूपसिद्धि 5 स सोद्धरण सूत्रव्याख्या 5 द ससूत्र रूपसिद्धि	2+2 4+4 2+2 4+4	6+24=30
5.	कारक एवं अशुद्धि संशोधन	02	04	6 अ सूत्र व्याख्या (कारक) 6 ब अशुद्धिसंशोधन वाक्य	2x3 2X5	4+16=20
	कुल योग	10	20	04	130	150

प्रभारी अकादमिक प्रश्न

पाठ्यक्रम की विस्तृत योजना एवं प्रश्नपत्रनिर्माता हेतु दिशा–निर्देश

इकाई	भाग / प्रश्नक्रम	पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण	अंक
प्रथम इकाई श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)	अ / 1	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2+2
	ब / 2	(अ) 04 श्लोकों में से 02 की सप्रसंगव्याख्या पूछी जायेंगी।	11+11
		(ब) 02 प्रश्न देकर किसी 01 का उत्तर प्रष्टव्य है।	14
द्वितीय इकाई तर्कसंग्रह	अ / 1	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जावेंगे।	2+2
	ब / 3	(अ) 04 श्लोकों में से 02 की सप्रसंगव्याख्या पूछी जायेंगी।	11+11
		(ब) 02 प्रश्न देकर किसी 01 का उत्तर प्रष्टव्य है।	14
तृतीय इकाई भारतीय दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त	अ / 1	प्रथम प्रश्न में 01 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछा जायेगा।	2
	ब / 4	(अ) 04 दार्शनिकसिद्धान्तों में से 02 पर टिप्पणी लेखन।	5+5
		(ब) 02 प्रश्न देकर किसी 01 का उत्तर प्रष्टव्य है।	8
चतुर्थ इकाई लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण)	अ / 1	प्रथम प्रश्न में 03 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जायेंगे।	2x3
	ब / 5	(अ) तिङन्त प्रकरण भ्वादिगण में निर्धारित सूत्रों में से 04 सूत्र देकर 02 की सोद्धरण व्याख्या पूछी जायेंगी।	2+2
		(ब) तिङन्त प्रकरण भ्वादिगण की 04 रूपसिद्धियाँ देकर 02 की सूत्रनिर्देशपूर्वक रूपसिद्धि पूछी जायेंगी।	4+4
		(स) तिङन्त के भ्वादिगण के अलावा शेष गणों में से 04 सूत्र देकर 02 की सोद्धरण व्याख्या पूछी जायेंगी।	2+2
		(द) तिङन्त के भ्वादिगण से शेष गणों में से 04 सिद्धियाँ देकर 02 की ससूत्र रूपसिद्धि पूछी जायेंगी।	4+4
पंचम इकाई कारक एवं अशुद्धि संशोधन	अ / 1	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जावेंगे।	2+2
	ब / 6	(अ) पाठ्यक्रम में निर्धारित कारकसूत्रों में से 06 सूत्र देकर 03 की सोद्धरण व्याख्या पूछी जायेगी।	2x3
		(ब) कारकाधारित 08 अशुद्धवाक्य देकर किन्हीं 05 वाक्यों में अशुद्धि–संशोधन कराया जायेगा।	2x5
		कुल अंक	**150**

पाठ्यक्रम के अधिगम हेतु सहायक पुस्तकें

क्र.	पुस्तक	लेखक	प्रकाशन
1.	श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीयाध्याय)	डॉ. विश्वनाथ शर्मा	आदर्श प्रकाशन, जयपुर
2.	श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीयाध्याय)	श्रीकृष्ण ओझा	अभिषेक प्रकाशन, जयपुर
3.	तर्कसंग्रह	डॉ. अर्कनाथ चौधरी	आयुर्वेद संस्कृतहिन्दी पुस्तक भण्डार, जयपुर
4.	तर्कसंग्रह	डॉ. दयानन्द भार्गव	मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
5.	भारतीय दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त	डॉ. निहाल सिंह व श्रीमती डिम्पल जायसवाल	मधुशाला प्रकाशन, भरतपुर
6.	सर्वदर्शनसंग्रह	डॉ. माधव जनार्दन रटाटे	भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
7.	सर्वदर्शनसंग्रह	डॉ. उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'	चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
8.	लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्तप्रकरण)	श्री धरानन्द शास्त्री	मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
9.	लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्तप्रकरण)	डॉ. भीमसेन शास्त्री	भैमी प्रकाशन, दिल्ली
10.	लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्तप्रकरण)	डॉ. महेश सिंह कुशवाहा	चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
11.	लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्तप्रकरण)	डॉ. अर्कनाथ चौधरी	जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
12.	सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)	डॉ. अर्कनाथ चौधरी	जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
13.	सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)	डॉ. सत्यप्रकाश दुबे	न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली
14.	रचनानुवादकौमुदी	डॉ. कपिल देव द्विवेदी	विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

प्रभारी अकादमिक प्रधान

द्वितीय वैकल्पिक पाठ्यक्रम / प्रश्न पत्र

बी.ए. पंचम सेमेस्टर (संस्कृत) Major Discipline Specific Elective Course	
Course Code	SAN-10T-502
प्रश्नपत्र का नाम	काव्य, नाट्य एवं व्याकरण
क्रेडिट	06
अपेक्षित अध्ययनावधि	90 कार्यदिवस
योग्यता	UG Diploma (परन्तु स्नातक डिप्लोमा 3 वर्ष से पुराना न हो)

पाठ्यक्रम (स्वयंपाठी विद्यार्थियों हेतु)

इकाई	निर्धारित ग्रन्थ / पाठ्यपुस्तक	अंक
1.	कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) महाकवि कालिदास विरचित	40
2.	रत्नावली नाटिका (श्रीहर्षदेव विरचित)	40
3.	लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण– भ्वादिगण की भू एवं एध् धातु लटादि 10 लकार तथा शेष गणों की प्रथम धातु लट्, लोट्, लृट्, लङ् एवं विधिलिङ् लकार में)	30
4.	**कारक एवं अशुद्धि संशोधन** – पठनीय कारकसूत्र – प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाण–वचनमात्रे प्रथमा, कर्तुरीप्सिततमं कर्म, अधिशीङ्स्थासां कर्म, अकथितं च, उपान्वध्याङ्वसः, अभितः परितः समयानिकषाहाप्रतियोगेऽपि, अन्तराऽन्तरेण युक्ते, कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे, साधकतमं करणम्, कर्तृकरणयोस्तृतीया, अपवर्गे तृतीया, येनाङ्गविकारः, सहयुक्तेऽप्रधाने, इत्थम्भूतलक्षणे, कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्, रुच्यर्थानां प्रीयमाणः, नमः स्वस्ति स्वाहास्वधाऽलंवषट् योगाच्च, क्रुधद्रुहेर्ष्याऽसूयार्थानां यं प्रति कोपः, ध्रुवमपायेऽपादानम्, भीत्रार्थानां भयहेतुः, जनिकर्तुः प्रकृतिः, भुवः प्रभवः, आधारोऽधिकरणम्, यतश्चनिर्धारणम्, यस्य च भावेन भावलक्षणम्, षष्ठीशेषे, कर्तृकर्मणोः कृतिः। एवं उक्त कारकसूत्रों के आधार पर अशुद्धि–संशोधन।	20
5.	वाच्य परिवर्तन एवं अनुवाद	20

अंक–विभाजन

इकाई	पाठ्यपुस्तक	'अ' भाग में लघूत्तरा० प्रश्न	अंक	'ब' भाग के प्रश्न सं. एवं प्रश्न प्रकार	अंक	कुल अंक
1.	कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग)	02	04	2 अ सप्रसंग व्याख्या 2 ब समालोचनात्मक प्रश्न	11+11 14	4+36 =40
2.	रत्नावली (श्रीहर्षदेव विरचित)	02	04	3 अ सप्रसंग व्याख्या 3 ब समालोचनात्मक प्रश्न	11+11 14	4+36 =40
3.	लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण)	03	06	4 अ सोद्धरण सूत्र व्याख्या 4 ब ससूत्र रूपसिद्धि 4 स सोद्धरण सूत्र व्याख्या 4 द ससूत्र रूपसिद्धि	2+2 4+4 2+2 4+4	6+24 =30
4.	कारक एवं अशुद्धि संशोधन	02	04	5 अ सूत्र व्याख्या (कारक) 5 ब अशुद्धिसंशोधन वाक्य	2x3 2X5	4+16 =20
5.	वाच्य परिवर्तन एवं अनुवाद	01	02	6 अ वाच्यपरिवर्तन 6 वाक्य 6 ब संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद हेतु 6 वाक्य	2X6 1X6	2+18 =20
	कुल योग	10	20	04	100	150

प्रभारी अकादमिक प्रथम

पाठ्यक्रम की विस्तृत योजना एवं प्रश्नपत्रनिर्माता हेतु दिशा–निर्देश

इकाई	भाग / प्र.क्र.	पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण	अंक
प्रथम इकाई कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग)	अ / 1	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जावेंगे।	2+2=4
	ब / 2	(अ) 04 श्लोकों में से 02 की सप्रसंगव्याख्याएँ पूछी जायेंगी।	11+11
		(ब) 02 प्रश्न देकर किसी 01 का उत्तर प्रष्टव्य है।	14
द्वितीय इकाई रत्नावली नाटिका	अ / 1	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जावेंगे।	2+2=4
	ब / 3	(अ) 04 श्लोकों में से 02 की सप्रसंगव्याख्याएँ पूछी जायेंगी।	11+11
		(ब) 02 प्रश्न देकर किसी 01 का उत्तर प्रष्टव्य है।	14
तृतीय इकाई लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण)	अ / 1	प्रथम प्रश्न में 03 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जावेंगे।	2X3=6
	ब / 4	(अ) तिङन्त प्रकरण भ्वादिगण में निर्धारित सूत्रों में से 04 सूत्र देकर 02 की सोद्धरण व्याख्या पूछी जायेंगी।	2+2=4
		(ब) तिङन्त प्रकरण भ्वादिगण की 04 रूपसिद्धियाँ देकर 02 की सूत्रनिर्देशपूर्वक रूपसिद्धि पूछी जायेंगी।	4+4=8
		(स) तिङन्त के भ्वादिगण के अलावा शेष गणों में से 04 सूत्र देकर 02 की सोद्धरण व्याख्या पूछी जायेंगी।	2+2=4
		(द) तिङन्त के भ्वादिगण से शेष गणों में से 04 सिद्धियाँ देकर 02 की ससूत्र रूपसिद्धि पूछी जायेंगी।	4+4=8
चतुर्थ इकाई कारक एवं अशुद्धि संशोधन	अ / 1	प्रथम प्रश्न में 02 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछे जावेंगे।	2+2=4
	ब / 5	(अ) पाठ्यक्रम में निर्धारित कारकसूत्रों में से 06 सूत्र देकर 03 की सोद्धरण व्याख्या पूछी जायेगी।	2x3=6
		(ब) कारकाधारित 08 अशुद्धवाक्य देकर किन्हीं 05 का वाक्यों में अशुद्धि–संशोधन कराया जायेगा।	2x5=10
पंचम इकाई वाच्य परिवर्तन एवं अनुवाद	अ / 1	प्रथम प्रश्न में 01 लघूत्तरात्मक उपप्रश्न पूछा जायेगा।	2
	ब / 6	(अ) 10 वाक्य देकर 06 का वाच्यपरिवर्तन प्रष्टव्य।	2X6=12
		(ब) 10 संस्कृतसूक्तियाँ / संस्कृत वाक्य देकर 06 सूक्तियों / वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद पूछा जायेगा।	1X6=6
		कुल अंक	**150**

पाठ्यक्रम के अधिगम हेतु सहायक पुस्तकें

क्र.	पुस्तक	लेखक	प्रकाशन
1.	कुमारसम्भवम्	डॉ. श्रीकृष्ण ओझा	राजमन्दिर प्रकाशन, जयपुर
2.	कुमारसम्भवम्	डॉ. प्रीतिप्रभा गोयल	हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
3.	रत्नावली नाटिका	पं. श्री रामचन्द्र मिश्र	चौखम्बा संस्कृत सीरीज बनारस
4.	रत्नावली नाटिका	डॉ. शिवराज शास्त्री	साहित्य भण्डार, मेरठ
5.	लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण)	डॉ. भीमसेन शास्त्री	भैमी प्रकाशन, दिल्ली
6.	लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण)	डॉ. महेश सिंह कुशवाहा	चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
7.	लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण)	डॉ. अर्कनाथ चौधरी	जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
8.	लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण)	श्री धरानन्द शास्त्री	मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
9.	सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)	डॉ. सत्यप्रकाश दुबे	न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली
10.	सिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)	डॉ. अर्कनाथ चौधरी	जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
11.	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (कारकप्रकरण)	श्री धरानन्द घिल्डियाल	मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
11.	प्रौढ़ रचनानुवादकौमुदी	डॉ. कपिल देव द्विवेदी	विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

प्रभारी अकादमिक प्रथम